अथ केतु अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं केतवे नमः। ओं स्थूलशिरसे नमः। ओं शिरोमात्राय नमः। ओं ध्वजाकृतये नमः। ओं नवग्रहायुताय नमः। ओं सिंहिकासुरी गर्भसंभवाय नमः। ओं महाभीति हराय नमः। ओं चित्रवर्णाय नमः। ओं पिंगळाक्षाय नमः। ओं सफलधूम्र संकाशाय नमः। ओं तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः। ओं महोरगाय नमः। ओं रक्तनेत्राय नमः। ओं चित्रकारणे नमः। ओं तीव्रकोपाय नमः। ओं महाशूराय नमः। ओं पापकंटकाय नमः। ओं क्रोधनिधये नमः। ओं छायाग्रहाय नमः। ओं अंत्यग्रहाय नमः। ओं महाशीर्षाय नमः। ओं सूर्यारये नमः। ओं पुष्पवद्ग्रहिणे नमः। ओं वरदहस्ताय नमः। ओं गदापाणये नमः। ओं चित्रशुभ्रधराय नमः। ओं चित्रध्वज पताकाय नमः। ओं घोराय नमः। ओं चित्ररथाय नमः। ओं शिखिने नमः। ओं कुळत्थ भक्षकाय नमः। ओं वैढूर्याभरणाय नमः। ओं उत्वात जनकाय नमः। ओं शुक्रमित्राय नमः। ओं मंदसखाय नमः। ओं शिखिनेंधपकाय नमः। ओं अंतर्वेदीश्वराय नमः। ओं जैमिनीगोत्रजाय नमः। ओं गुप्तात्मने नमः। ओं दक्षिणाभिमुखाय नमः। ओं मुकुंदवर पात्राय नमः। ओं महासुर कुलोद्भवाय नमः। ओं घनवर्णाय नमः। ओं लम्बदेहाय नमः। मृत्युपुत्राय नमः। ओं उत्पातरूप धराय नमः। ओं कालाग्नि सन्निभाय नमः। ओं नरपीठकाय नमः। ओं ग्रहाकारिणे नमः। ओं सर्वोपद्रव कारकाय नमः। ओं चित्रप्रसूताय नमः। ओं अनलाय नमः। ओं सर्वव्याधि विनाशकाय नमः। ओं अदृश्याय नमः। ओं अपसव्य प्रचारिणे नमः। ओं नवमे पापदायकाय नमः। ओं पंड्चमे शोकदाय नमः। ओं उपराग गोचराय नमः। ओं पुरुषकर्मणे नमः। ओं तुरीये सुखप्रदाय नमः। ओं तृतीये वैरदाय नमः। ओं पापग्रहाय नमः। ओं स्पोटकारकाय नमः। ओं प्राणनाथाय नमः। ओं पंड्चमे श्रमकारकाय नमः। ओं द्वितीये स्फुटवाग्धात्रे नमः। ओं विषाकुलितवक्त्राय नमः। ओं कामरूपिणे नमः। ओं सिंहदंताय नमः। ओं सत्ये अनृतवते नमः। ओं चतुर्थे मातृनाशकाय नमः। ओं नवमे पितृनाशकाय नमः। ओं अंते वैरप्रदाय नमः। ओं सुतानंद बंधनकाय नमः। ओं सर्पाक्षि जाताय नमः। ओं अनंगाय नमः। ओं कर्मराशशुद्भवाय नमः। ओं उपांते कीर्तिदाय नमः। ओं सप्तमे कलहप्रदाय नमः। ओं अष्टमे व्याधिकर्त्रे नमः। ओं धने बहुसुख प्रदाय नमः। ओं जनने रोगदाय नमः। ओं ऊर्ध्वमूर्धजाय नमः। ओं ग्रहनायकाय नमः। ओं पापदृष्टये नमः। ओं खेचराय नमः। ओं शांभवाय नमः। ओं अशेष

पूजिताय नमः। ओं शाश्वताय नमः। ओं नटाय नमः। ओं शुभाशुभ फलप्रदाय नमः। ओं धूम्राय नमः। ओं सुधापायिने नमः। ओं अजिताय नमः। ओं भक्तवत्सलाय नमः। ओं सिंहासनाय नमः। ओं केतुमूर्तये नमः। ओं रवींदु द्युतिनाशकाय नमः। ओं अमराय नमः। ओं पीठकाय नमः। ओं मर्त्याय नमः। ओं विष्णु दृष्टाय नमः। ओं सुरेश्वराय नमः। ओं भक्तरक्षकाय नमः। ओं विचित्र कपोलस्यंदनाय नमः। ओं विचित्र फलदायिने नमः। ओं भक्ताभीष्ट फलप्रदाय नमः। इति केतु अष्टोत्तर शतनामावळिः॥

Please consider the environment -

do not print unless essential

For Qualitative Predictions & Potential Remedies visit:
www.astrovidya.com

Click here to go back